In the Name of LOVING GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

VOL. 55, 2016

FREE OF COST
FULL OF CARE

आत्मा की आवाज़

The Voice of Soul

जीवन को खोने से पहले
जीवन की खोज के लिए

To discover life before departing for ever

कमाई से ही कल (भविष्य) और काल (मृत्यु) बनते है। क्यों और कैसे?

सात रंग, सात सुर, सात समुन्दर, सात आसमान और सात प्रकार की मृत्यु। कैसे?

Materialism & Spiritualism made for each other. Why & How ?

Good Earning brings Good Luck - Bad Earning brings Bad Luck. How ?

सच भारत अभियान

Conscious India Campaign

Mission Happiness

Turn to God before you return To God

Mission Consciousness

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

visit us at www.missionhappiness.in

ऊपर जाने से पहले ऊपर उठें, कैसे?

Life's Primary Goal....
How to listen the Voice of Soul ?

School, College, Office, Shop जाना हो तब पूरी तैयारी से जाते हैं। मजाल है, mobile या wallet या de-odorant छूट जाए? और attire, कपड़ों का तो कहना ही क्या? Best clothes, fully ironed, पूरी चमक दमक के साथ बाहर जाते हैं, shopping करनी हो या picnic पर जाना हो? लेकिन ताज्जुब यह है कि ऊपर जाने का return ticket pocket में रखा है, सिर्फ date और time ही तो पता नहीं है, पर न कोई तैयारी! न कोई ध्यान!

कोई certainty तो है नहीं कि death old age में ही आनी है। आम आदमी तो क्या, successful, seasoned doctors भी all of sudden स्वयं ही ventilators पर आ जाते हैं, और पता भी नहीं चलता, अपना doctor का role पूरा करके, यह लोक छोड़कर परलोक चले जाते हैं।

No one dies - only we pass away; It means हम जिन्दा रहते हैं, बस अदृश्य हो जाते हैं, देखते सुनते नहीं, पर महसूस सब कुछ करते हैं।

इसीलिए, बुद्धिमानी इसी में है कि परलोक में lower consciousness, कम चेतना के साथ न जाएँ, बल्कि अपनी higher consciousness से **इसी पृथ्वी लोक पर सरलता से सफलता और सुख पाते हुए, शान्ति से higher realm, ऊंचे, प्रकाशमान लोकों के लिए प्रस्थान कर जाएं।**

आत्मा की आवाज़ अपने अन्दर के higher self, को जागृत करने के लिए बहुत helpful साबित हो सकती है। कैसे ?

एक बार पढ़ने से almost कोई फायदा नहीं होगा।

दो बार धीरे-धीरे पढ़कर सोचने से 2-4 दिन तक लाभ

तीन बार समझकर पढ़ने से 2-3 weeks के लिए reminders

Daily one page for 30 days पढ़कर सोचने से tremendous changes

Thereafter अन्दर से ही सारी समझ self knowledge आने लगती है।

So, please stop. THINK - ACT CONSCIOUSLY AND ENJOY THE FRUITS OF LIFE.
So that, at death time - there are no regrets - ONLY REJOICING.

Death means, अर्थी की तैयारी के बिना, यह life हो जाती है, अर्थहीन, Futile,
Life के हर पल को importance देना जरूरी है, क्योंकि जीवन है बहुत ही नाजुक, Fragile,
किया हुआ हर कर्मफल आना ही है सामने, अन्दर ही अन्दर बन रही है सबकी किस्मत की File,
परिवार, मकान और money सभी कुछ होते हुए, फिर face से कभी गायब नहीं होगी Smile.

झूठ और लालच का शरीर पर असर

How Falsehood & Greed, Destroy the Body

सदियों से 5-7 वर्ष के बच्चे भी हंसते-खेलते व बोलते पाए जाते हैं, कि **''झूठ बोलना पाप है नदी किनारे सांप है''**।

बिना सोचे समझे, ज़िन्दगी की बेशकीमती सांसें और कभी वापिस न आने वाला समय नष्ट किए जा रहे हैं। क्यों, इसलिए कि कुछ भी बोलें या करें, उस पर चिन्तन मनन तो करना ही नहीं है and the physical body is the result of mental body, this we forget.

मन की feelings और thoughts, अपनी तरंगों, waves से physical body, स्थूल शरीर पर गहरा असर डालती हैं।

झूठ है क्या? कोई भी घटना या fact जो वास्तव में है, उसको छुपाने की नाकामयाब कोशिश। Reality को कुछ समय के लिए दबाया, suppress या छुपाया conceal तो किया जा सकता है, किन्तु मिटाया eradicate नहीं किया जा सकता।

क्योंकि truth की vibrations straight होती हैं, उनको simulate, तोड़ा-मरोड़ा नहीं जा सकता। जब कोई भी झूठ बोला या लिखा जाता है, उसमें soul, आत्मा, governing body of life या God के ambassador की रज़ामंदी नहीं होती।

सत्य छिपाने से आत्मा नाराज़ हो जाती है।

Soul ही super power है। सबसे पहले, आत्मा, बुद्धि को डांटती है। अत: झूठ बोलने या लिखने से, बुद्धि कमजोर होने लगती है। इस का असर पड़ता है मन पर। अत: कमजोर बुद्धि या भ्रष्ट बुद्धि, polluted intellect मन को कमजोर कर देती है।

कमजोर मन डर जाता है। डरा हुआ मन body के organs को transmit करता है- low levels, नीची श्रेणी की तरंगें जो cells के metabolism को disturb कर देती हैं।

Cells, कोशिकाओं के metabolism में विकार आने से, महीनों या वर्षों में, virus, bacteria जैसे बाहरी तत्व हमला करते हैं या organs की स्वयं की कार्यप्रणाली में disturbance create होने से heart, brain आदि की बीमारियाँ प्रकट होने लगती हैं।

झूठ से hormonal secretion 100% disturb हो जाते हैं।

Medical terms में pineal gland (God point) pituitary gland (master harmonal gland) को disturb करने लगती हैं।

यही कारण है कि लोग धन से अमीर तो हो सकते हैं, पर मन से बीमार व गरीब होते जाते हैं।

Mind, मन, का physical body से हमेशा से रहा है, बहुत ही गहरा Relation,
So, झूठ के कारण brain और heart की functioning में होने लगती है Fluctuation,
और कमज़ोर-लालची मन, create करने लगता है, एक के बाद एक Difficult Situation,
किन्तु सीधी सच्ची ज़िन्दगी जो जीते हैं, उन्हें कभी भी नहीं सताते fear हो या Frustration,
ऐसे honest प्राणियों का तो धरती पर ही हो जाना है, heaven के लिए Registration.

Therefore, जो अपनी life से करते हैं प्यार - वे झूठ और लालच को सदा करते हैं 'इन्कार'

Power of death for prosperity & peace in life !

90% से ज्यादा लोग, मृत्यु को ignore करना चाहते हैं, इसलिए life के उस पार की knowledge न होने के कारण न केवल डरते हैं, but इस डर के कारण physical body के रहते हुए भरपूर मज़ा भी नहीं ले पाते।

The reality is that apart from our visible physical body we are infact an aural body. हिन्दू-सिख इसे जीवात्मा कहते हैं, मुस्लिम नूरानी शरीर मानते हैं और ईसाई Astral body.

हिन्दू-सिख पुनर्जन्म को मानते हैं, जबकि ईसाई तथा मुस्लिम पुनर्जीवन को।

In english it is called resurrection. अब सोचिए, english और hindi के शब्द अलग-अलग होते हुए भी वस्तुस्थिति, अर्थात सत्य तो एक ही है कि -

यह स्थूल शरीर छोड़ने के बाद, सूक्ष्म शरीर जीवित रहेगा और अपने कर्मों के आधार पर बने स्वभाव को शान्ति या अशान्ति का experience होना निश्चित है।

आज की date में पाप और अपराध इसीलिए बढ़ते जा रहे हैं, because people are not afraid of consequences after the demise of physical body.

लोग डर क्यों नहीं रहे हैं?

क्योंकि, धर्म गुरू व ज्ञानी, ठीक से सत्य को, simple knowledge के base पर आम प्राणियों को scientifically समझा नहीं रहे हैं।

तुलसीदास जी ने भी रामचरित मानस में इसीलिए लिखा था - भय बिन होत न प्रीत।

सबको सम्मान और सुख देने वाले कर्मों से आभामंडल, नूरानी शरीर strong बनता है और गरीबों, बीमारों व अन्य को ठगने से, astral body weak होती चली जाती है।

जैसे इस भैतिक जगत के प्राकृतिक नियम होते हैं, वैसे ही जीवात्मा जगत के भी नियम व अलग-अलग standards, realms होते हैं।

Laws of the spirit world को अभी से follow करने से यह जन्म और अगला जीवन, दोनों ही सुखी और सुरक्षित हो सकते हैं।

इसलिए risk लेना बहुत घाटे का और खतरनाक bargain है।

अपनी आत्मा को गन्दा व कमजोर करके धन कमाया, झूठी शान कमाई, वह सब छूटने वाली है, किन्तु इसका प्रकोप, बहुत खतरनाक होता है।

गीता, गुरूग्रन्थ साहब, पवित्र कुरान व बाईबल में life की reality में इतना scientific और simple explanation है कि मुसीबत और मृत्यु आ ही नहीं सकती। किन्तु, हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई भाई सभी के सभी पता नहीं किस नींद में सोए हुए हैं और खुशियों व परलोक पूंजी को खोए हुए हैं?

कोई मतभेद है ही नहीं। अपना जन्म और जीवन खुद ही कष्टमय बनाया हुआ है।

करके मृत्यु का ध्यान, जीवन बने सफल और आसान !

ज़िन्दगी की सबसे बड़ी बदनसीबी ?

दूर की न सोचना

The finest Folly and Foolishness of Life

Not to develop Farsightedness

जैसे business में current account में transaction कितना भी हो, savings account और उसके बाद fixed deposit न हो तो business किस काम का ?

Similarly, life के business में current account सांसों का लेना, छोड़ना तो बहुत, किन्तु savings account - समझदारी और fixed deposit - पवित्रता, आजकल दोनो ही नदारद हैं।

So death से डरना नहीं है, उसको याद करके life की value को wasteful होने से बचाना है।

But few persons are really acquiring and spreading Divine wealth. Like Shri Rakesh Mittal, Kabir Peace Mission, Shri Jagdish Gandhi and Mrs. Bharti Gandhi, C.M.S., Lucknow, Justice Kalimullah Khan, Maulana Wahiduddeen Khan Sahab and many many more, अपने अपने कर्मक्षेत्र से, पवित्रता के महायज्ञ को ऊर्जा की आहुति प्रदान करने में सक्रिय हैं।

At least Educated and literate class is expected to rise to the occasion and persuade the masses to understand God and its principles in the right perspective, so that illness is transformed into wellness, frustration is changed into freedom and TENSION TURNS INTO TRANQUILITY.

Physical death को भूलने के कारण ही बढ़ जाता है, अहंकार, Arrogance
अहंकार और लालच दोनो मिल कर लूट लेते हैं life की खुशबू, Fragrance
ज़रा ईश्वर को समझकर तो देखिए, ज़िन्दगी में आ जाएगी चमक, Radiance
तंगी-तकलीफ 100% समाप्त हो जाएगी, life में आने लगेंगी बरकतें, Opulence

So जागिए - जगाइए!! Help yourself, Help others to wake-up soon!!

How to enjoy life and prepare for death (of body only)

DIVINE LIFE SYMPOSIUMS

at schools, colleges, offices, jails, media centres. No Charges - Only Enthusiastic Participation

Contact : 9837032053, 9536824265

माता-पिता और सन्तानें
कर्मों और किस्मत का
Joint Account

औलादों के कर्म माता-पिता को प्रभावित कर सकते हैं, क्या हमारा कभी इस sensitive secret of life, पर ध्यान गया है?

ईश्वरीय नियम बहुत ही scientific basis वाले होते हैं, nature में कभी भी, कुछ भी irrelevant या बिना किसी वजह के नहीं होता।

सन्तानें और माता पिता, actually में कर्मप्राणी होते हैं। एक दूसरे का कर्जा चुकाने, energy balancing के लिए ही इन रिश्तों का आधार तैयार होता है।

अक्सर देखने में आता है, सन्तान ने जन्म लिया, 2-3 वर्षों या ज्यादा तक बीमार रहकर माता पिता का खर्चा कराया और कष्ट व दुखदायी condition में छोड़कर इस physical world से astral world में चला गया। इस को भी कहा जाता है, कर्जा चुकाना।

Similarly, सन्तानें जो भी कर्म करती हैं, अच्छे या बुरे, उसकी energy का almost 40% खानदान, अर्थात माता पिता के karmic account में automatic transfer हो जाता है, कोई पसन्द करे या न करे। इसके लिए quantum physics के सिद्धांत समझने पड़ेंगे।

Quality of thoughts + actions से, परिस्थितियाँ solid shape ले लेती हैं, अच्छी या बुरी घटनाओं की form में। Practically देखा जा सकता है कि माता पिता का society में मान सम्मान उनके बच्चों के behaviour और action पर depend करता है।

सभी धर्म शास्त्रों में विस्तार से समझाया गया है कि हमारे कर्म, पूरे वंश को influence करते हैं। Science में इसे genetic engineering कहते हैं।

So let us be attentive and conscious that none of our BAD KARMA may tear apart the tranquil treasure of our parents and forefathers, through transmission of energy vibrations. 'Ceta' scientific word है, उन अदृश्य तरंगों का, जो सन्तानों और माता-पिता व पूर्वजों के बीच स्थापित होती हैं। Feelings and actions की current इन्ही के through travel करती है।

सन्तानों के कर्मों से भी माता एवं पिता को मिलनी ही है, **Coolness** या **Heat**,
यह तो **God** का **eternal** नियम सदैव से ही रहा है, **Sensible and Sweet**,
जिनको अपने माता पिता की होती है फिक्र, वे नहीं करते अपने गलतियों को **Repeat**,
चरित्रवान औलादों के **parents** को इस लोक व परलोक में भी फरिश्ते ही करते हैं **Greet**,
So, **honesty** के साथ **successful** होना ही है, इस जन्म का सबसे **Important Feat.**

So, Law of Love - सन्तानों का पहला धर्म - माता पिता के लिए करें शुद्ध कर्म

Mission Happiness के पापमुक्त + पुण्ययुक्त रिश्ते

Sin Free + Sensible Relations

Medicines की business field नाज़ वाली तो है, परन्तु नाज़ुक भी बहुत है।
Textiles, building material, jewellery, automobiles, electronics आदि के business में,
यदि थोड़ी बहुत cheating भी customers के साथ हो जाए, तब वह अपराध और पाप दोनों की श्रेणी में आ जाता है।

But in case of medicines गरीब और बेसहारा patient को damage कर के, हम rich बन जाएं, तब महाअभियोग और महापाप से कम कुछ नहीं लगना है।

We are intelligent but God is super intelligent. No one is going to be excused, कोई नहीं बख्शा जाने वाला।

So in Mission Happiness we are very careful and conscious about our intentions and actions through our relations.

Mission Happiness and Doctors - Doctors को regularly higher consciousness and higher goals का reminder देना कि prescription लिखने से पहले atleast Mission Happiness के products को 3 scales, तीन मापदंडों पर measure अवश्य कर लें:

1. 30 years का higher quality record
2. Almost 30% lesser price
3. Path of morality

जिससे positive energy पुण्य doctors के KARMIC ACCOUNT में deposit होना 100% निश्चित है।

Comparison with other products से ही patient के साथ justice हो सकती है। Poor patients के pocket में से deal or gift etc. लेकर अपना business increase करना हमें तो पापी बनाएगा ही – doctors and chemists के पुण्यों का घटाने वाला भी साबित होगा।

Because patient देखे या न देखे, अल्लाह देख रहा है।

Relation with chemists/wholesalers - छोटे दृष्टिकोण, narrow vision से देखें तो, chemists, stockists, Mission Happiness के products की sale करते हैं –

उन्हें पाप या पुण्य मिले,
उनकी आत्मा अच्छी हो या मैली हो,
उनका लोक परलोक सुखी हो या न हो, हमें क्या मतलब?

But on a higher scale, Mission Happiness के profit margin इतना हो कि उन्हें एक वाजिब फायदा हो, और patients की दुआएँ, profit के साथ घर पहुंचे न कि बद्दुआएँ,

because deal हो या margin, सब कुछ बीमार घरों से ही आ रहा है। Patients को नोच कर हम लम्बे समय तक नाच नहीं सकते।

SO TRUE WITH DOCTORS + CHEMISTS + PATIENTS = GOD'S PROTECTION

Doctors, chemists, stockists के परिवारों में पवित्रता पहुँचे, यह Mission Happiness का HONEST AIM है।

Medicine business से जब हम poor patients को दुख पहुँचाने की नहीं रखते हैं, Intention,
Then 100% हम सभी qualify कर ही जाते हैं, पाने को, God की Full Protection,
यह हल्की guarantee नहीं है, हर धर्मग्रन्थ में है इसका है, Detailed Description,
So, सबकी आत्मा को प्रभावित करने में बहुत important हैं, medicines के Prescription.

Law of nature - जितना और जैसे poor patients से लेंगे, उतना और वैसे ही वापिस करना पड़ेगा, कुदरत को।

NO ONE CAN CHANGE THIS LAW.

मृत्यु का मतलब और महत्व

Depth of Death

आम आदमी, अपनी एक ही death समझता है
और मृत्यु से दूरी बनाने के कारण ही ज़िन्दगी से दूर होता जा रहा है।
थोड़ी सी intelligence को use करें तो पता चल जाएगा कि शरीर की मृत्यु तो केवल
एक ही बार होती है, अन्य 6 types की मृत्यु का पता चलते ही life colourful हो जाएगी।

1. **चेतना की मृत्यु (The Death of Consciousness) -** अपने विषय में ज्ञान व अहसास ही न होना कि मैं तो एक pure soul पवित्र आत्मा हूं सदा जीवित रहने वाली, अत: शान्ति और प्रेम तो मेरी originality है।
2. **बुद्धि की मृत्यु (Death of Intellect) -** चेतना की मृत्यु होते ही बुद्धि पवित्र नहीं रहती और wisdom, विवेक का जन्म नहीं होता। लोक परलोक में हित अहित का पता ही नहीं चलता केवल profit - loss की फिक्र रहती है।
3. **मन की मृत्यु (The Death of Happy Mind) -** चेतना और बुद्धि जाते ही मन मरने लगता है। अच्छे और creative विचार ही नहीं आते। सुविधाओं की planning होती है, सुख की नहीं। मन को सुख ही तो चाहिए – वह अनुभव नहीं कर पाता, disturbed mind.
4. **सामाजिक मृत्यु (Social Death) -** केवल अपने फायदे की सोचना। selfishness at its best. दूसरों की help करने और society को पवित्र व प्रसन्न करने का ख्याल ही न आना। अपने ego के लिए दान दक्षिणा करना व अपने नाम का प्रचार ज्यादा करना।
5. **धन की मृत्यु (The Financial Death) -** धर्म सहित धन कमाने का प्रयत्न ही न करना। इच्छा रखना, इच्छा शक्ति न लाना, कंजूसी दिखाना – Misery - less earnings - less spending, ill got - ill spending.
6. **संस्कारों की मृत्यु (The Death of Culture and Values) -** त्योहारों और रस्मों रिवाजों को केवल परम्परा के तौर पर निभाना, भावरहित, अर्थरहित होकर, केवल superficially celebrate करना – absence of true spirit to celebrate life as a happy function.
7. **देह की मृत्यु (The Death of Physical Body) -** ऊपरी 6 types की death के बाद – दुखी व रोते हुए, अपना बेशकीमती शरीर त्याग देना। प्रीत न करने के कारण, प्रेत योनि में प्रस्थान कर जाना – extinction of the most wonderful creation of consciousness, God, i.e. human body.

सोचें और समझें, क्या हम वास्तव में जीवित हैं?

FOR A VIBRANT - VIRTUOUS & VICTORIOUS LIFE, YOU MAY WATCH

आध्यात्मिक सामाजिक टी.वी. चैनल

॥ साधना ॥

Sunday – 3:00 p.m. - Divine Programme

D.V.D.'s of the telecast programmes are also available

सच भारत अभियान
Conscious India Campaign

खुशनसीबी के रंग *Mission Happiness* के संग

आगे आइए – पवित्रता फैलाइए

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053 e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in